[पूँजीगत प्राप्तियाँ]

नोट :-1

घरेलू बाजार से उधार लेने का कार्य रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है। इस सन्दर्भ में रिजर्व बैंक दिनांकित (G-Sec) सरकारी प्रतिभूतियाँ जारी करता है।

एक वर्ष से अधिक की समयावधी की (G-Sec) सरकारी प्रतिभूतियों को दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियाँ कहते हैं ये सरकारी बोन्ड होते हैं।

नोट - 2

उपर्युक्त पूंजीगत प्राप्तियों में I और II को NDCR (Non - Debt Capital Receipts) कहा जाता है

Q. निम्न का अध्ययन कीजिए -

(i) लाभ और लाभांश

(ii) विनिवेश

(iii) अन्य देयतायें

उपर्युक्त में से कौन Non Debt Receipts है ?

Ans- 1 और 2

सरकारी खर्च (Government Expenditure)

इन्हें भी दो भागों में बांटा जा सकता है -

(i) राजस्व खर्च

(ii) पूँजीगत खर्च

राजस्व खर्च :-

ऐसे सरकारी खर्च जिनसे न तो सार्वजनिक संपत्तियों का निर्माण होता है और न ही सार्वजनिक देयताएं कम होती हैं।
इसके मुख्य उदाहरण निम्न प्रकार दिए जा सकते हैं -

(i) ब्याज भुगतान (Interest Payments)।

(ii) वेतन और पेंशन।

(iii) अनुदान (Grants)।

(iv) सार्ब्सिडी (Subsidy) / सहायिकी।

(v) किसानों को ऋण - माफी। आदि।

पूँजीगत खर्च (Capital Expenditure or capex)

ऐसे सरकारी खर्च जिनसे या तो सार्वजनिक संपत्तियों का निर्माण होता है या सार्वजनिक देयताएं कम हो जाती हैं इसके कुछ मुख्य उदाहरण निम्नलिखित हैं -

(i) राष्ट्रीय राजमार्गों, एयरपोर्ट, मेट्रो परियोजना, रक्षा हथियार प्रणाली (टैंक्स, युद्धपोत आदि।) पर खर्च।

(ii) ऋणों का पुनर्भुगतान।

(iii) विदेशी सरकार, राज्य सरकार आदि को ऋण देना।

आदि।

Crowd-out, Crowd-in

↓ निजी निवेश का घटना | ↓ निजी निवेश का बढ़ना

सार्वजनिक खर्च का नया वर्गीकरण

इसे 2017-18 में लागू किया गया है इसे खर्च के प्लान और नॉन-प्लान के स्थान पर लागू किया गया है। इसे एक चित्र द्वारा दिखाया जा सकता है-

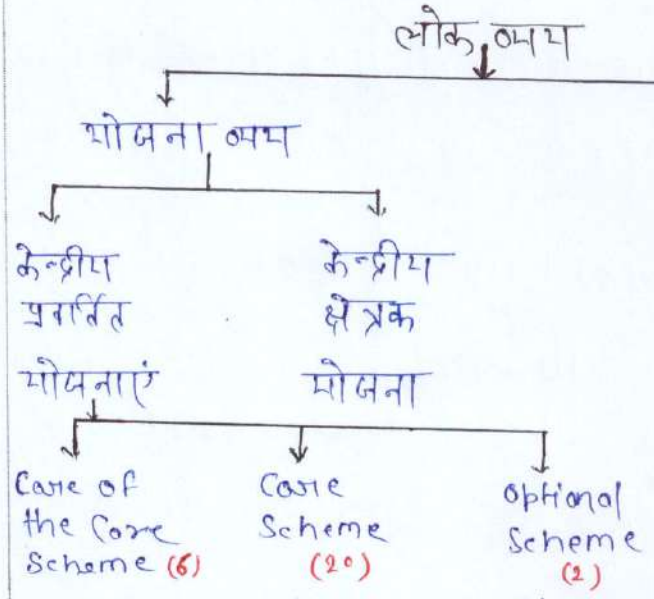

नीति आयोग के शिव राज सिंह उपसमूह की सिफारिशों पर।